हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, रविवार, 20 अप्रैल 2025

हथियार लहराता युवक पुलिस हिरासत में, तलवार बरामद

नागपुर. नंदनवन क्षेत्र में पुलिस की तत्परता से एक संभावित गंभीर अपराध टल गया। पुलिस ने पायल वाईन शॉप के सामने फुटपाथ पर तलवार लहराते हुए एक युवक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान शेख जाहिद शेख जकीर (21), निवासी हसनबाग, उस्मानिया मस्जिद के पास, नंदनवन के रूप में हुई है। यह कार्रवाई 17 अप्रैल को शाम 6 से 7 बजे के बीच की गई, जब नंदनवन पुलिस की टीम नियमित गश्त पर थी। इस दौरान आरोपी को हाथ में तलवार लिए हुए लोगों में दहशत फैलाते देखा गया। पुलिस ने तुरंत हरकत में आते हुए उसे घेराबंदी कर पकड़ा और उसके पास से करीब 600 रुपये मूल्य की एक लोहे की तलवार जब्त की। पुलिस के अनुसार, आरोपी यह घातक शस्त्र किसी गंभीर अपराध की नीयत से लेकर घूम रहा था। साथ ही उसने मनाई आदेश का उल्लंघन भी किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना नंदनवन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 4/25 के तहत महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 135 के अंतर्गत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है।

भांडेवाड़ी डंपिंग यार्ड की आग पर अनुसूचित जाति आयोग सख्त

नागपुर.

महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग ने शनिवार (19 अप्रैल) को नागपुर शहर के भांडेवाड़ी डंपिंग यार्ड में लगी आग को गंभीरता से लिया है। आयोग के उपाध्यक्ष, एडवोकेट धर्मपाल मेश्राम ने स्थानीय नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर आग लगने की घटना के लिए गैरजिम्मेदार अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। भांडेवाड़ी डंपिंग यार्ड के आसपास की बस्तियों में बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के गरीब नागरिक रहते हैं। कचरा डंपिंग यार्ड के क्षेत्र में कभी-कभी लगने वाली आग, कचरे में मीथेन गैस, धूल, पार्टिकुलेट मैटर और जहरीली गैसों के कारण यहां के नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता बेहद गंभीर हो गई है। स्थानीय नागरिकों ने श्वसन और फेफड़ों की बीमारियों, पीने के पानी के दूषित होने की शिकायत महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष एडवोकेट धर्मपाल मेश्राम से की है।

आयोग ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया। भांडेवाड़ी डंपिंग यार्ड में लगी आग पर काबू पाने के लिए प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। नागपुर महानगरपालिका के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की अधीक्षण अभियंता डॉ. श्वेता बनर्जी शाम 4.30 बजे तक भी घटनास्थल पर नहीं पहुंचीं और न ही कोई अवलोकन किया और न ही इन सभी गंभीर मामलों पर ध्यान दिया। हम इन सभी मामलों को गंभीरता से लेंगे और नगर निगम प्रशासन से जल्द ही रिपोर्ट मांगेंगे। राज्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष एडवोकेट धर्मपाल मेश्राम ने चेतावनी दी कि उचित प्रक्रिया अपनाकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दमकल गाड़ी खुद बनी आग की शिकार

इस आग की सूचना मिलते ही लकड़गंज, वाठोड़ा, कलमना, सक्करधरा, त्रिमूर्ति नगर, सिविल लाइन्स और सुगत नगर से दमकल विभाग की कई गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। दुर्भाग्यवश, आग पर काबू पाने के दौरान एक दमकल वाहन भी आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

कचरे के पहाड़ ने पकड़ी आग

भांडेवाड़ी डंपिंग यार्ड में वर्षों से शहर का कचरा जमा किया जा रहा है, जिससे यहाँ कचरे का एक विशाल पर्वत बन चुका है। इस कचरे में मौजूद ज्वलनशील पदार्थों और हालिया बढ़ते तापमान के चलते आग और भी विकराल रूप ले चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, कचरे में जमा विषैली और ज्वलनशील गैसें भी आग के फैलाव का कारण हो सकती हैं।

इलाकों में मचा हड़कंप

आसपास के पवन शक्ति नगर, सुरज नगर, संघर्ष नगर, अबूमिया नगर और तुलसी नगर में धुएं का घना पर्दा छा गया है, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। भय के चलते लोग अपने घर छोड़कर बाहर निकलने को मजबूर हैं।

प्रशासन ने की सावधानी की अपील

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घर के अंदर ही रहें और सावधानी बरतें। यदि आग जल्द काबू में नहीं आई, तो आसपास की झोपड़पट्टियों और रिहायशी इलाकों को गंभीर खतरा हो सकता है। आग की भयावह लपटें और धुआं पारडी, भंडारा और उमरेड रोड तक दिखाई दे रहा है, जिससे इस घटना की गंभीरता का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

पेंच व्याघ्र प्रकल्प में गिद्ध पुनर्वास योजना को झटका

नागपुर.

पेंच व्याघ्र प्रकल्प में छोड़े गए 10 गिद्धों में से 4 की मौत हो गई है, जबकि 3 लापता हैं। बचे हुए 3 गिद्ध वन विभाग के रडार पर हैं। गिद्धों की संख्या में तेजी से कमी के कारण वन विभाग ने यह प्रयास शुरू किया था, जिसमें हरियाणा से लंबी चोंच वाले 10 गिद्धों को नागपुर के पेंच में लाया गया था। उम्मीद थी कि, ये गिद्ध जंगल में पहले से मौजूद गिद्धों के साथ मिलकर अपनी संख्या बढ़ाएंगे, लेकिन यह योजना पूरी तरह सफल होती नहीं दिख रही है।

जीपीएस टैग लगाकर जंगल में छोड़ा था : पर्यावरण दूत के रूप में पहचाने जाने वाले गिद्धों की संख्या में तेजी से कमी चिंता का विषय है। इसे देखते हुए वन विभाग ने बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, मुंबई के सहयोग से लुप्तप्राय: गिद्ध प्रजाति को बचाने की दिशा में काम शुरू किया। इसके तहत जनवरी में हरियाणा से 10 लंबी चोंच वाले गिद्धों को पेंच में लाया गया। इन्हें कुछ दिन एवियरी में रखा गया, जहां उन्हें जंगल के माहौल का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद प्रत्येक गिद्ध को 50 ग्राम वजनी जीपीएस टैग लगाकर जंगल में छोड़ा गया, ताकि वे धीरे-धीरे जंगल के माहौल में ढल सकें और किंग वल्चर, सफेद चोंच, लंबी चोंच, व लाल गर्दन जैसे गिद्धों की प्रजातियों के साथ रह सकें।

भोजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है : शुरूआती योजना पूरी तरह सफल होती नहीं दिख रही, ये गिद्ध एवियरी के आस-पास ही रहे, लेकिन बाद में वे थोड़ा दूर जाने लगे। वन विभाग ने निरीक्षण के दौरान पाया कि, इन गिद्धों को भोजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। गिद्ध मरे हुए जानवरों का मांस खाते हैं, लेकिन जंगल में वन्यजीवों का प्राकृतिक रूप से मरना बहुत कम होता है। शिकार किये गए जानवरों को बाघ, भेड़िया, लकड़बग्घा जैसे जंगली जानवर खा लेते हैं, जिससे गिद्धों के लिए भोजन नहीं बचता है। पहले गांववाले मरे हुए मवेशियों को गांव के बाहर फेंक देते थे, जिससे गिद्धों को भोजन मिल जाता था, लेकिन अब अधिकांश गांववाले मरे हुए मवेशियों को जमीन में दफना देते हैं, जिसके कारण गिद्धों के लिए भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता।

2 महाराष्ट्र, 2 म.प्र. में मृत पाए गए : इस समस्या के समाधान के लिए वन विभाग ने जंगल के आस-पास के 40 गांवों के साथ मिलकर डम्पिंग यार्ड तैयार करने की योजना बनाई थी। बावजूद 4 गिद्धों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 2 मध्य प्रदेश के जंगल में और 2 महाराष्ट्र के जंगल में मृत पाए गए। बाकी 6 गिद्धों में से 3 रडार पर हैं, जबकि 3 रडार से बाहर हैं और वन विभाग उनकी तलाश कर रहा है। गिद्धों की मौत का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

मौत का कारण स्पष्ट नहीं है: पेंच के जंगल में छोड़े गए 10 गिद्धों में से 4 की मौत हो चुकी है, जबकि 3 रडार पर नहीं हैं और उनकी तलाश जारी है। गिद्धों की मौत का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

नागपुर शहर में दिव्यांगों का सर्वेक्षण शुरू

नगर आयुक्त ने आशा कार्यकर्ताओं से सर्वे में सहयोग की अपील की

नागपुर.

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 और महाराष्ट्र सरकार के आदेश के अनुसार, नागपुर शहर में 21 प्रकार की विकलांगताओं के अनुसार दिव्यांग व्यक्तियों का घर-घर सर्वेक्षण किया जा रहा है। मनपा आयुक्त व प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी की पहल पर अतिरिक्त आयुक्त वसुमना पंत, अतिरिक्त आयुक्त वैष्णवी बी., उपायुक्त डॉ. रंजना लाडे और मेडिकल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक सेलोकर के मार्गदर्शन में यह सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया है।

2 अप्रैल से 12 अप्रैल 2025 के बीच शहर में आशा कार्यकर्ताओं को जोनवार प्रशिक्षण दिया गया। विकलांगता पहचान की प्रक्रिया, संबंधित कानूनी मानदंड और सर्वेक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली डिजिटल प्रणाली पर प्रशिक्षण महात्मा गांधी सेवा संघ के माध्यम से प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के बाद आशा कार्यकर्ताओं ने 11 अप्रैल 2025 से घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना शुरू कर दिया है। यह सर्वेक्षण सभी दस जोनों के जोनल चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारियों और सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों की देखरेख में किया जा रहा है।

इस सर्वेक्षण का उद्देश्य शहर के दिव्यांगजनों के जीवन चक्र के आधार पर 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के अनुसार वस्तुनिष्ठ जानकारी एकत्रित करना है तथा इसके आधार पर आगामी 5 वर्षों के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस कार्ययोजना के आधार पर दिव्यांग नागरिकों के लिए प्रभावी योजनाएं, सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा।

आपको अपने क्षेत्र में सर्वेक्षण के लिए आई आशा कार्यकर्ताओं के साथ पूरा सहयोग करना चाहिए। यदि परिवार में कोई व्यक्ति जन्म, दुर्घटना, बीमारी, आनुवंशिकता या आयु के कारण विकलांग है तो उसकी जानकारी नहीं छिपाई जानी चाहिए। उनकी विकलांगता की वास्तविकता को स्वीकार करें और उनकी जानकारी दर्ज करें।

इसमें जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, ताकि लाभ से वंचित दिव्यांगों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

इसलिए नगर निगम आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. ने लोगों से अपील की है कि वे सर्वे के लिए उनके घर आने वाली नगर निगम की आशा कार्यकर्ताओं को उचित जानकारी देकर सहयोग करें। अभिजीत चौधरी ने नागपुर के नागरिकों के साथ ऐसा किया है।

21 प्रकार की विकलांगताएं

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार विकलांगता को कुल 21 प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

1. दृश्य हानि, श्रवण दोष, वाक् विकार, शारीरिक विकलांगता (लोकोमोटर विकलांगता), मानसिक बीमारी, बौद्धिक विकलांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, सेरेब्रल पाल्सी, बहु विकलांगता, विकासात्मक भाषण और भाषा विकार, विशिष्ट सीखने संबंधी विकलांगताएं - डिस्लेक्सिया, आदि, कम दृष्टि / मायोपिया, मिर्गी, मांसपेशीय दुर्विकास, कंकाल डिसप्लेसिया बच्चों में बौनापन, तंत्रिका संबंधी विकार, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया सिकल सेल रोग, बाह्य विकलांगता (एसिड अटैक पीड़ित).

हिंदी बनाम मराठी पर गरमाई सियासत, बावनकुले ने दी सफाई

नागपुर.

महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर माहौल गर्माने का प्रयास किया जा रहा है। राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और कांग्रेस लगातार मराठी भाषा को समाप्त करने के लिए हिंदी भाषा को थोपने का आरोप लगा रहे हैं। यही नहीं मनसे ने निर्णय के खियलद सड़क पर उतरने का ऐलान भी कर दिया है। वहीं अब इस मुद्दे पर महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने टिप्पणी की है। बावनकुले ने कहा कि, "हिंदी को लेकर राज्य में राजनीति की जा रही है।" यही नहीं बावनकुले ने यह भी कहा कि, मराठी भाषा पर कोई समझौता नहीं किया जायेगा ,लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर हिंदा पढ़ना भी जरुरी है।"

'देश में 60 प्रतिशत राज्य प्रशासन हिंदी में है' : राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर बावनकुले ने कहा, "अगर हम इस देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विचार करें तो उसमें हिंदी विषय होगा। अगर हिंदी को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है तो इस पर इतना बड़ा राजनीतिकरण, विरोध और मारपीट करना ठीक नहीं है। मराठी भाषा पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लेकिन सभी को हिंदी आनी चाहिए।"

उन्होंने आग कहा, "उत्तर प्रदेश या देश के अन्य हिस्सों में यात्रा करते समय, कुछ लोग अंग्रेजी, हिंदी, तमिल बोलते हैं। इसलिए, कम से कम एक आम भाषा, आधिकारिक भाषा, हिंदी, आमतौर पर जानी जाती है। देश के 60 प्रतिशत राज्यों में, हिंदी में काम होता है, उस राज्य की भाषा और पहचान को बनाए रखने और हिंदी सीखने में कुछ भी गलत नहीं है।"

बयान पर बावनकुले ने दिया स्पष्टीकरण

हिंदी को राष्ट्रभाषा बताने के सवाल पर भाजपा अध्यक्ष ने स्पष्टीकरण दिया है। चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, "मेरे बयान पर राजनीति हो रही है, दरअसल कल मैंने गलती से हिंदी को राष्ट्रभाषा कह दिया, मुझे इसके बजाय राजभाषा कहना चाहिए था। हिंदी राजभाषा है। कल मैंने कहा था कि यह राष्ट्रभाषा है।" बावनकुले ने कहा, "मेरे कहने का मतलब यह था कि कुछ लोग हिंदी को आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकार करने की आलोचना करते हैं। इस देश में लगातार विकास किया जा रहा है, लेकिन इसे रोकने के लिए विरोधियों द्वारा बहुत काम किया जा रहा है।" बावनकुले ने यह भी कहा कि, "मराठी पहचान, मराठी लोगों के लिए मराठी हमारी भाषा होनी चाहिए।"

मेडिकल में 2 घंटे बिजली गुल, मरीजों को हुई परेशानी

नागपुर. शहर के मेडिकल अस्पताल में शुक्रवार सुबह दो घंटे तक बिजली गुल रही, जिससे मरीजों और अस्पताल स्टाफ को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह 6 बजे से 8 बजे तक बिजली नहीं रहने के कारण सर्जरी समेत कई अहम वार्ड प्रभावित हुए। बिजली आपूर्ति बाधित होने की वजह राष्टसंत तुकडोजी महाराज चौक से वंजारीनगर पानी की टंकी मार्ग पर चल रहे केबल बिछाने के काम को बताया गया है। काम के दौरान तकनीकी गड़बड़ी से बिजली सप्लाई ठप हो गई। सूत्रों की मानें तो बिजली गुल होने की पूर्व सूचना मेडिकल के बिजली विभाग को पहले से मिली थी, लेकिन समय पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। हालाँकि, मेडिकल में जनरेटर की सुविधा मौजूद है, जिससे अतिदक्षता (आईसीयू), सर्जरी और अन्य महत्वपूर्ण विभागों में बिजली आपूर्ति तुरंत बहाल हो जाती है।

बताया गया कि जनरेटर का कनेक्शन ऑटोमैटिक है, जिससे मुख्य विभागों की बिजली कटते ही जनरेटर चालू हो जाता है। हालांकि कुछ छोटे वार्डों में बिजली गुल होने पर जनरेटर को मैन्युअली शुरू करना पड़ता है, जिससे मरीजों और स्टाफ को कुछ समय तक असुविधा होती है। बिजली विभाग की ओर से अगले कुछ दिनों तक इसी तरह की समस्याएं समय-समय पर होने की आशंका जताई गई है, जिसकी जानकारी मेडिकल प्रशासन को पहले ही दे दी गई है।

व्यापारी के अपहरण की साजिश नाकाम, एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

नागपुर.

शहर से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां अमरावती के व्यापारी महावीर कोठारी के अपहरण की साजिश को पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। यह पूरी घटना नागपुर के रामदासपेठ इलाके में स्थित जैन मंदिर के पीछे घटी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महावीर कोठारी ने आरोपी सलमान खान से एक लाख रुपये का कर्ज लिया था। इसी लेन-देन के चलते सलमान खान ने अपने साथी अज़हर पठान के साथ मिलकर व्यापारी के अपहरण की योजना बनाई थी।

घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी राहुल मदने ने तुरंत एक विशेष टीम गठित कर कार्रवाई के आदेश दिए। पुलिस की तत्परता के चलते वाड़ी इलाके से सलमान खान को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, अज़हर पठान और उसकी महिला साथी पिंकी अब भी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

सूत्रों के अनुसार, महावीर कोठारी ने अमरावती में भी कई लोगों से पैसे उधार लिए थे, जिससे मामला और भी पेचीदा होता जा रहा है। सीताबर्डी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने अपहरण की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है और वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में जांच जारी है।

पुलिस का मानना है कि अगर समय पर कार्रवाई नहीं होती तो मामला और भी बिगड़ सकता था। फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के साथ इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

ओल्ड भंडारा रोड निर्माण की देरी पर गडकरी ने जताई नाराजगी

नागपुर.

ओल्ड भंडारा रोड के निर्माण में हो रही देरी पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नाराजगी जताई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, मैं पुरे देश की सड़कें बना रहा हुं, लेकिन अपने शहर की एक सड़क नहीं बना पा रहा हुं। शनिवार को केंद्रीय मंत्री ने मनपा मुख्यालय में शहर में शुरू विविध कामों की समीक्षा की। जहां उन्होंने यह बात कही। यही नहीं केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को सड़क निर्माण में आरही तामम दिक्कतों को जल्द से जल्द दूर करने का आदेश भी दिया।

उपराजधानी नागपुर में विभिन्न प्रोजेक्ट का काम शुरू है। जिसमें कई केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट भी हैं। इन कामों की समीक्षा के लिए केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को नागपुर मनपा के सिविल लाइन्स स्थिति मुख्यालय में समीक्षा बैठक की। बैठक में नागपुर जिलाधिकारी विपिन इटनकर, मनपा आयुक्त डॉ. अभिजीत चौधरी, एनआईटी चेयरमैन संजय मीणा, महाराष्ट्र राज्य अवसंरचना विकास निगम के एमडी बृजेश दीक्षित, विधायक प्रवीण दटके, संदीप जोशी, पूर्व महापौर दयाशंकर तिवारी सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। बैठक की शुरुआत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ओल्ड भंडारा रोड से की। केंद्रीय मंत्री ने सड़क निर्माण में हो रही देरी सहित अधिकारीयों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, पिछले 12 साल से यह मामला लंबित है। इस दौरान पांच जिलाधिकारी और सात मनपा आयुक्त बदल गये लेकिन यह सड़क नहीं बन पाई है। अब ऐसा लगता है इसके निर्माण में हो रही देरी को लेकर गिनिस वर्ल्ड रिकॉर्ड में भेजना पड़ेगा। यही नहीं केंद्रीय मंत्री ने सड़क निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर निराशा जताई है ।

ज्ञात हो कि, ओल्ड भंडारा रोड के चौड़ीकरण का मामला पिछले दो दशक से ज्यादा समय से लंबित है। कभी मुआवजा तो कभी अदालती कार्रवाई के कारण मामला लगातार खींचता जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण को लेकर जिन लोगों की जमीने जा रही है, वह मुआवजा को लेकर संतुष्ट नहीं है। इसको लेकर उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका लगाई है, जिसकी आखिरी सुनवाई जल्द होने वाली है। वहीं राज्य सहित केंद्र सरकार ने सड़क निर्माण के लिए अपने हिस्से के 400 करोड़ रूपये से ज्यादा की राशि को काफी पहले ही मंजूरी दे दी है।

कोंढाली नगर पंचायत के समग्र विकास के लिए सिटी सर्वेक्षण अनिवार्य: स्वप्निल व्यास

कोंढाली.

कोंढाली नगर पंचायत के बुनियादी और ढांचागत विकास को गति देने के लिए पूरे शहरी क्षेत्र का सिटी सर्वेक्षण (नगरीय सर्वे) कराना बेहद आवश्यक हो गया है। इसी संदर्भ में स्थानीय जनप्रतिनिधि स्वप्निल व्यास ने नगर पंचायत के प्रशासक/सीओ धनंजय बोरीकर एवं क्षेत्रीय विधायक चरणसिंह ठाकुर से औपचारिक रूप से सिटी सर्वेक्षण कराने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब कोंढाली ग्राम पंचायत हुआ करता था, उस समय ग्राम क्षेत्र के कुछ हिस्सों का ही सीमित सिटी सर्वे कराया गया था। परंतु अब कोंढाली को नगर

सर्वे ऑफ इण्डिया
भारतीय सर्वेक्षण विभाग

पंचायत का दर्जा मिल चुका है और शहरी सीमा में चारों ओर विस्तार हो चुका है। ऐसे में पूरे नगर क्षेत्र का सिटी सर्वेक्षण कराना समय की मांग बन चुकी है। इस संबंध में पूर्व उपसरपंच स्वप्निल व्यास ने जानकारी दी कि दो वर्ष पूर्व ग्राम पंचायत से नगर पंचायत में दर्जोन्नत होने के बाद से अब शहर की समुचित योजना हेतु विस्तृत मानचित्र की आवश्यकता है।

सिटी सर्वेक्षण के अंतर्गत स्थलाकृतिक मानचित्र, सड़क मानचित्र, संपत्ति मानचित्र, भूमिगत सुविधाओं का मानचित्र और प्रमुख बिंदुओं की पहचान की जाती है। यह सर्वे दो प्रमुख उद्देश्यों की पूर्ति करता है – पहला, नगर का सटीक चित्रात्मक प्रतिनिधित्व प्राप्त करना, और दूसरा, नगर के विकास की योजनाओं में सहूलियत प्रदान करना।

आम तौर पर 1:500 या 1:2000 के पैमाने पर तैयार किए जाने वाले ये सर्वे सड़कें, गलियाँ, संपत्ति की सीमाएं, सीवेज पाइप, मैनहोल जैसी सतह के नीचे की संरचनाएं दर्शाते हैं। स्वप्निल व्यास ने कहा कि नगर सर्वेक्षण सटीक तकनीकी प्रक्रियाओं से किया जाता है, जिसमें क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर नियंत्रण, त्रिकोणमिति, बेंचमार्क आदि का ध्यान रखा जाता है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा अधिकृत सर्वेक्षक ही यह कार्य करते हैं। इस प्रक्रिया में जीपीएस, थियोडोलाइट, प्लेन टेबल, स्कैनर, मेटालिक टेप, इनवर टेप, रेंजिंग रॉड आदि उपकरणों का उपयोग होता है।

नगर क्षेत्र में मुख्य सड़कें, उप-सड़कें, भूमिगत नालियाँ, बिजली लाइनें, डिवाइडर निर्माण, संपत्तियों के लिए स्वीकृति प्रमाण पत्र, तथा अवैध अतिक्रमण हटाने जैसी विकासात्मक गतिविधियों के लिए सिटी सर्वे आवश्यक है।

सिटी सर्वेक्षण कराया जाए

यह मांग स्वप्निल व्यास के साथ-साथ बबलू बिसेन, अंसार बेग, ब्रजेश तिवारी जैसे अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों द्वारा भी रखी गई है। सभी ने एकमत होकर कोंढाली नगर पंचायत क्षेत्र में शीघ्र सिटी सर्वेक्षण कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

उमरेड यूथ फाउंडेशन ने किया रक्तदान शिविर आयोजित

> 101 युवाओं ने किया रक्तदान

उमरेड.

उमरेड यूथ फाउंडेशन ने उमरेड शहर के साने गुरुजी ज्येष्ठ नागरिक मंडल सभागृह में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें 101 युवाओं ने रक्तदान कर समाजसेवा की मिसाल पेश की। इस शिविर में उमरेड यूथ फाउंडेशन, इंडिया पॉवर जिम, ओम साई स्पोर्टिंग क्लब और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उमरेड का सहयोग रहा।

रक्तदान शिविर का उद्घाटन संस्था संयोजक सचिन कुहीकर ने अपने परिवार के साथ रक्तदान करके किया। इस अवसर पर संस्था संस्थापक अनिलकुमार गोविंदानी, संयोजक सचिन कुहीकर, पूर्वाध्यक्ष प्रदीप चिंदमवार, अध्यक्ष दीपक पटले, सचिव गौरव राहाटे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाबाराव तोटवार, ओम साई स्पोर्टिंग क्लब के रितेश राऊत, इंडिया पॉवर जिम के किशोर आदमने सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। लाइफ लाइन ब्लड बैंक नागपुर के डॉ. विराज वरभे ने संस्था अध्यक्ष अनिल गोविंदानी को स्मृतिचिन्ह भेंटकर उन्हें बधाई दी। इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में प्रवीण लाडेकर, सतीश चकोले, समीर वैद्य, प्रांजल डहाके, अमित तोंडे, सागर राऊत, जय मुलचंदानी, रोशन पोकले, उज्वल चिंदमवार, समर भगत, तोसिफ शेख, मुकेश गौतम, हितेश गडबोरीकर, शुभम सिर्सिकर, सतीश तांबेकर, नरेंद्र बालपांडे, अक्षय श्रीखंडे, विशाल बावने, सचिन जोधे समेत कई लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यह रक्तदान शिविर समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने और जरूरतमंदों की मदद के लिए एक अहम कदम साबित हुआ।

आदिवासी बहुल क्षेत्र में बारहवीं कक्षा की व्यवस्था की मांग

पारशिवनी.

महाराष्ट्र सरकार के कॅबिनेट मंत्री और आदिवासी विभाग के मंत्री, अशोक उईके ने आदिवासी छात्रों के लिए बारहवीं कक्षा की शिक्षा व्यवस्था करने का भरोसा दिया। शुक्रवार को, पारशिवनी तहसील के कुवारा भिवसेन तीर्थस्थल पर आयोजित कुंवारा भिवसेन यात्रा के दौरान, कोलीतमारा आदिवासी क्षेत्र से बड़ी संख्या में आदिवासियों ने मंत्री से मुलाकात की और इस विषय में ज्ञापन दिया। ज्ञापन में आदिवासी क्षेत्र में 12वीं कक्षा की सुविधा की मांग की गई थी। इस ज्ञापन को प्रेम भोंडेकर (पूर्व सरपंच), विठ्ठल पाटील (पूर्व उप सरपंच), भगवान गद्रे, सुरेश बगमारे और चंदु भलावी ने प्रस्तुत किया।

कोलीतमारा क्षेत्र, जो आदिवासी बहुल है, में आदिवासियों के लिए केवल प्राथमिक शिक्षा (कक्षा 1 से 4

गजेंद्र सावरकर -उप सरपंच सालेपाट

विठ्ठल पाटील-माजी उपसरपंच

डॉ.इरफान अहमद (समाजसेवी)

तक) की व्यवस्था की गई है, लेकिन उच्च शिक्षा की कोई सुविधा नहीं है। इससे यहां के छात्र कक्षा 10 के बाद शिक्षा छोड़ देते हैं। इस इलाके में उच्च शिक्षा की व्यवस्था न होने से छात्रों को शहरी या तहसील क्षेत्र के दूरदराज स्कूलों में जाकर पढ़ाई करनी पड़ती है, जिससे उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

स्वतंत्रता के बाद भी, आदिवासी बहुल इलाकों में शिक्षा की व्यवस्था में पर्याप्त सुधार नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, यहां के हजारों बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इसके अलावा, आदिवासी समाज के बच्चों के परिवारों की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर होती है कि वे अपने बच्चों को दूर के स्कूलों में भेजने की स्थिति में नहीं होते। वहीं, विठ्ठल पाटील ने कहा, "आधुनिक शिक्षा प्रणाली के उपयोग से देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन आदिवासी समाज के बच्चों के लिए उचित शिक्षा व्यवस्था का अभाव है। इसलिए, सरकार को आदिवासी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर करनी चाहिए ताकि बच्चों को शिक्षा में समान अवसर मिल सके।" इस मुद्दे पर कॅबिनेट मंत्री अशोक उईके ने आश्वासन दिया कि सरकार इस दिशा में शीघ्र कदम उठाएगी और आदिवासी छात्रों के लिए 12वीं कक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

यह खबर आदिवासी समाज के बच्चों के उज्जवल भविष्य की ओर एक कदम बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

कामठी शहर युवक कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर विक्रम बेसरा नियुक्त

कामठी.

भारतीय युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के कुछ पदों के साथ-साथ इसी क्रम में कामठी शहर में ज़िला परिषद पूर्व अध्यक्ष सुरेश भोयर द्वारा रामगढ़ निवासी विक्रम बेसरा को कामठी शहर युवक कांग्रेस के महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विक्रम बेसरा ने युवक कांग्रेस के माध्यम से एक कार्यकर्ता के रूप में शानदार काम किया है. वह विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भी हैं और सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहते हैं। वे अब तक कांग्रेस पार्टी की मिशन नीति के तहत पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को प्राथमिकता देते हुए कांग्रेस में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए काम कर रहे हैं। इस मौके पर प्रभाग के पूर्व नगरसेवक निरज लोणारे, नप पूर्व उपाध्यक्ष काशीनाथ प्रधान, शहर युवक कांग्रेस अध्यक्ष सुमित शेंडे, उमेश गजभिये, सचिन मेश्राम, मनीष पाणतावने, सपन खांडेकर, विशाल मेश्राम, कपिल भीमटे, शांतनु पाणतावने, राज डोंगरे आशीष बागड़े, पियूष रामटेके, पियूष रणदिवे आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रमुखता से उपस्थित रह कर नवनियुक्त शहर युवक कांग्रेस महासचिव विक्रम बेसरा का अभिनंदन किया है।

कोशिश फाउंडेशन ने किया आधार कार्ड शिविर का आयोजन

कामठी.

कोशिश फाउन्डेशन के तत्वावधान में 13 अप्रैल से आधार कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अभितक 5001 से ज्यादा लोगों ने लाभ उठाया। ये आधार कार्ड शिविर इसी तरह 23 अप्रेल 2025 तक डॉ. शेख बुनकर कालोनी स्थित कोशिश फाउन्डेडेशन के कार्यालय में चलता रहेगा। इस आधार कार्ड शिविर को लगवाने में कोशिश फाउन्डेशन द्वारा अथक प्रयास किया गया। शिविर के सफलतार्थ कोशिस फाउन्डेशन के अध्यक्ष मोहसिन अख्तर, उपाध्यक्ष, आसिफ अख्तर, महासचिव मोहसिन कुरेशी, सचिव, तनज़ीम अख्तर, अब्दुल अज़ीज़, अब्दुल्लाह सिंघानिया, आसिफ अहमद, मोनिस अहमद, मोहसिन राजा, तारिक अहमद, मोहम्मद मोहसिन, शाहिद अहमन, कलीम अहमद आदि गणमान्य व्यक्ति प्रमुखता से मौजुद रह कर कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

सुरक्षा जमा के नाम पर हर वर्ष वसूली के खिलाफ वाड़ी के नागरिकों ने जताया विरोध

> एमएसईडीएल को सौंपा सामूहिक निवेदन

वाडी.

वाडी क्षेत्र में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से हर वर्ष 'सुरक्षा जमा' (सिक्योरिटी डिपॉज़िट) के नाम पर की जा रही राशि वसूली के खिलाफ नागरिकों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया है। इसको लेकर नागरिकों ने कंपनी के वाडी-1 कार्यालय में कनिष्ठ अभियंता को सामूहिक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उपभोक्ताओं ने बताया कि वे समय पर अपने मासिक बिजली बिल का भुगतान करते हैं, फिर भी प्रारंभिक कनेक्शन के समय जमा की गई सुरक्षा राशि के बाद हर वर्ष इस नाम पर अतिरिक्त धनराशि वसूली जा रही है। यह प्रक्रिया उन्हें अन्यायपूर्ण और आर्थिक बोझ के रूप में प्रतीत हो रही है।

नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि अगर किसी कारणवश दो महीने तक बिल बकाया रह जाता है, तो कंपनी तुरंत बिजली कनेक्शन काट देती है। ऐसे में सवाल उठता है कि पहले से ली गई सुरक्षा राशि का उपयोग क्या होता है? यह नीति विशेष रूप से मध्यमवर्गीय और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए भारी परेशानी का कारण बन रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि इस नीति से एमएसईडीएल की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही यह प्रक्रिया बंद नहीं की गई तो बड़ा जन आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी। इस दौरान सर्वपक्षीय प्रतिनिधित्व के साथ ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपते समय एमएसईडीएल के खिलाफ नारेबाज़ी भी की गई। इस आंदोलन में प्रमुख रूप से पूर्व पार्षद केशव सुदाम बांदरे, नरेंद्र मेंढे, सामाजिक कार्यकर्ता शैलेश थोराने, चंद्रशेखर देशभ्रतार, अमीत हुस्नापुरे, राजेंद्र बिसेन, प्रकाश नांदने, दामोदर मालहरे, उत्तम दास, सुमित्रा गजभिए, खुशाल सूरते, टेकचंद, दीपक रांगडाले, शरद इंगले, राजेश नारायणपुरे, ज्ञानेश्वर चोपड़े, राजकुमार वासनिक, विनोद सरदार, जेम्स फ्रांसिस, शेखर, कमल कनोजे, रामप्रसाद पटले, लक्ष्मीनारायण केसरवानी, योगेश कुमकुमवर, विशाल यादव, शिवम राजे, रमेश ढोले, किशन बागडे सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

नागरिकों ने विभाग से अपील की है कि इस अन्यायपूर्ण वसूली पर तुरंत रोक लगाई जाए और आम जनता को राहत दी जाए।

वाल्मीकि महासभा ने किया लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला का सत्कार

कामठी.

वाल्मीकि समाज महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का लोकसभा अध्यक्ष के मुख्यातिथ्य एवं राष्ट्रीय संत बालयोगी उमेशनाथ महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल राजा की अध्यक्षता में वाल्मीकि समाज के सबसे बड़े राष्ट्रीय संगठन अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं साधारण सभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का रंगबाड़ी क्षेत्र के केडीए ऑडिटोरियम कोटा राजस्थान में आयोजन किया गया।

अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा आयटी सेल मीडिया प्रभारी दिनेश बिल्लरवान ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा महर्षि वाल्मीकि भगवान के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर अधिवेशन का शुभारंभ किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि वाल्मीकि समाज की सेवा, समर्पण सदा वंदनीय है। सामाजिक, रूढ़िवादिता, कुरूतियों को समाप्त कर हम कैसे आर्थिक कल्याण कर समृद्धि की ओर बढ़े। यही खूबसूरती है हमारे लोकतंत्र की,संविधान की जो हमे हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की राह प्रशस्त करता है। वाल्मीकि समाज ने प्रारम्भ से ही विकट परिस्थितियों में अपना जीवन निर्वहन करते हुए देश की सच्ची सेवा में अपना योगदान दिया है। अधिवेशन में सानिध्य के रूप में राष्ट्रीय संत, क्षेत्र वाल्मीकि धाम उज्जैन पीठाधीश्वर बालयोगी उमेशनाथ महाराज जी राज्यसभा सांसद का आशीर्वचन प्राप्त हुआ।

गुरुदेव ने भी ज्ञान,शिक्षा की ज्योत को प्रबल करते हुए डॉ.आंबेडकर जी के दिखाए गए मार्ग की ओर अग्रसर होने को प्रेरित किया। समाज मे विविध क्षेत्रों में उभरते हुए सितारों पर गर्व करते हुए भावी पीढ़ी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। रास्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल राजा ने लोकसभा अध्यक्ष को महासभा का डुपट्टा, साफा पहनाकर एवं वाल्मीकि रामायण भेंट कर स्वागत करते हुए चार सूत्रीय माँग पत्र सौंपा।

कार्यक्रम दौरान अतिथि के रूप में पधारें हाथरस सांसद अनुप वाल्मीकि, शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार मदन दिलावर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग उपाध्यक्ष अंजना पँवार, एडीएम रावतभाटा विनोद मल्होत्रा, रामगंजमंडी नगर पालिका के चेयरमैन अखिलेश मेडतवाल का महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवि करोसिया, राष्ट्रीय संयोजक आयटी सेल मीडिया प्रभारी दिनेश बिल्लरवान, सहसचिव सौ. रचना बिल्लरवान, महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव दुर्गा कोरी, राष्ट्रीय महासचिव मेहरसिंग मेहरोलिया, सचिव सुरेश चिंटोले, जिला अध्यक्ष दीपक परदेसी, शहर अध्यक्ष राज मेहरोलिया ने डुपट्टा, साफा, पहनाकर स्वागत किया। साथ ही अतिथियों को भगवान महर्षि वाल्मीकि के तेलचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से पधारे पदाधिकारियों ने समाज की दशा-दिशा पर अपने -अपने विचार रखे। मंच संचालन करते हुवे राष्ट्रीय संयोजक दिनेश बिल्लरवान ने देश के 24 राज्यों एवं 6 महानगरों से पधारे सभी अतिथियों का कोटा की पावन धरा पर स्वागत किया। अधिवेशन सत्र का संचालन राष्ट्रीय कार्यालय सचिव नरेंद्र राजा और राष्ट्रीय संयोजक आयटी सेल मीडिया प्रभारी दिनेश बिल्लरवान ने किया।

गांव-गांव दस्तक दे रहे तेंदुए और बाघ, कोंढाली में गाय पर हमला

कोंढाली.

कोंढाली वन क्षेत्र के पंजारा काटे ग्राम में शनिवार तड़के करीब 4 बजे तेंदुए ने एक गर्भवती गाय को अपना शिकार बना लिया। यह घटना उस समय हुई जब गोपालक ज्ञानेश्वर रामराव मुंगाभाते ने अपनी गायों को आंगन में बांध रखा था। तेंदुआ गांव में घुसकर आंगन में बंधी गायों पर हमला कर दिया और छह साल की गर्भवती गाय को मार डाला। घटना से पूरे गांव में डर का माहौल है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी निशिकांत कपगते ने घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय वन कर्मचारी प्रवीण वरठी को घटनास्थल पर भेजा, जहां मृत गाय का पंचनामा किया गया और पोस्टमार्टम कराया गया। पशु चिकित्सकों ने गाय की कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सावधान रहने की सलाह दी है और रात में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इस क्षेत्र में बाघों और तेंदुओं की मौजूदगी के कारण ग्रामीण भयभीत हैं। बोर अभयारण्य टाइगर प्रोजेक्ट से तेंदुए अब पंजारा काटे और धुरखेडा गांव तक पहुंच चुके हैं। कोंढाली के ग्रामीण, किसान, खेतिहर मजदूर, स्कूली छात्र, और यात्री इस वन्यजीवों के हमलों से परेशान हैं। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में बाघों और तेंदुओं ने करीब 90 बकरियों और मवेशियों को अपना शिकार बनाया है।।

सफारी गेट बनाने क मांग

किसानों और ग्रामीणों के बीच बढ़ते इस डर को देखते हुए, स्थानीय लोग वन विभाग से कोंढाली और आसपास के क्षेत्रों में सफारी गेट बनाने की मांग कर रहे हैं ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

रेलवे पटरी पर लूट एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

नागपुर. एक सनसनीखेज घटना में नागपुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित सी-कैबिन परिसर के शिव मंदिर के पास 6 से 7 अज्ञात हमलावरों ने एक पूर्व सैनिक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और 45,700 मूल्य का माल लूट लिया। फरियादी अरुणप्रताप सिंह (60 वर्ष), जो सीसीएल कंपनी में शावल ऑपरेटर के रूप में कार्यरत हैं और पूर्व सैन्यकर्मी हैं, वे 15 अप्रैल 2025 को जबलपुर से नागपुर पहुंचे थे और रामागुंडम की यात्रा के लिए रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उक्त अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दो मोबाइल फोन और 700 नकद छीन लिए। घायल अवस्था में भी उन्होंने साहस दिखाते हुए ट्रेन पकड़ी और सफर के दौरान बल्लारशा रेलवे पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रियंका नारनवरे के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने संदिग्ध सूरज सोमकुंवर को रेलवे परिसर से पकड़ा।

आंबेडकर सामाजिक संगठन ने गोराबाजार में किया भोजनदान

कामठी.

आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में भोजनदान कार्यक्रम आयोजित करना एक अद्भुत पहल है! यह न केवल डॉ. बी.आर. आंबेडकर की जयंती का सम्मान करता है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है। भोजनदान कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन प्रदान करना एक सराहनीय कार्य है। यह पहल समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट करने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है।

इसी तरह गोराबाजार के डॉ. बाबासाहब आंबेडकर सामाजिक संगठना द्वारा महामानव संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की 134वीं जयंती गोराबाजार से रैली निकालकर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अनुयायी पहुंचे और बाबासाहब को अभिवादन किया। तपश्चात भोजनदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं 15 अप्रैल को गोराबाजार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक संगठना की ओर से महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जूना कामठी थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रशांत जुमड़े, पीएसआई ढुबाले का नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष माया चवरे की प्रमुख उपस्थिति में संगठना अध्यक्ष व आयोजक नितीन रामजी सहारे ने संविधान देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सहभागी अरविंद वासनिक, अशोक चवरे, प्रफुल्ल जैन, विजय यादव, अजय गजवे, गज्जु श्रिवास्तव, ओम सहारे, जय सहारे, दिनेश सिरीया, सैय्यद फयीम, अमन डोंगरे, कमला सहारे, कामिनी सहारे, रेखा सहारे, गंगा यादव, सैय्यद साबरा गफ्फार, अर्चना डोंगरे, श्रद्धा कनोजिया, निर्मला पाटील, अर्चना पाटील आदि गणमान्य व्यक्ति प्रमुखता से उपस्थित रहे।

जिले के 70 गांव प्यासे; सूख रहे जल संसाधन

अमरावती.

12 टैंकरों और 44 निजी कुओं का अधिग्रहण

अप्रैल में अब जब तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया तो जल संसाधन सूखने लगे हैं और पानी की कमी बढ़ गई है। ऊंचे पहाड़ों पर स्थित दूरदराज के इलाके मेलघाट में गर्मी बढ़ गई है। फिलहाल 12 प्यासे गांवों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा, 57 गांवों में 23 बोरवेल और 44 निजी कुओं का अधिग्रहण किया गया है।

मार्च के अंत में जिले का पारा 41 डिग्री और अप्रैल में 43 डिग्री तक पहुंच गया है। परिणामस्वरूप, भूजल स्तर में कमी आ गई है, जल स्रोत सूखने लगे हैं और जिले में जल संकट का असर महसूस होने लगा है। जिला प्रशासन की जानकारी के अनुसार, चिखलदरा तहसील में कोरडा, चुनखाडी, अकी, खादिमल, मोथा, लवाडा और तरुबंदा, धारणी

में कढाव, दाबका, रणीगाव, कंजोली, धारणमहू, दिदब्बा व बारू, अमरावती तहसील में कस्तूरा, मोगरा, अमदापुर और भानखेड़ा, मोर्शी में, ब्राह्मणवाड़ा, पिंपलखुटा लहान, गोराला, शिराजगांव और कोलविहिर, भातकुली में, दारी पेढ़ी, चांदुर रेलवे तहसील में सावंगी, मगरपुर, तेम्भुर्नी, निमला और पाथरगांव, तिवसा

पानी की आपूर्ति की जा रही है

जिला प्रशासन ने बताया कि नंदगांव तहसील में वाढोणा रामनाथ, खानापूर, हिवरा बु, मंगरूल चव्हाला, पलसमंडल, खेडपिंप्री, वेली गणेशपूर, लेहगाव, कंझरा, वाटपूर, शिवरा, टाकली गिलबा, धर्मापूर, राजना व काजना, अचलपुर तहसील में बोरदा, परसापुर, काकड़ा और सरफापुर, वरुड के पोरगाव्हन और करजगांव में अधिग्रहित बोरवेल और निजी कुओं के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है।

में अहमदाबाद, फ़तेहपुर, जावरा, वाथोडा ख़ुर्द, मार्डी तथा धोत्रा तहसील में वर्तमान में जल की आपूर्ति अधिग्रहित बोरवेलों और निजी कुओं के माध्यम से की जाती है।

महात्मा जोतिबा फुले फिल्म के त्वरित प्रदर्शन की मांग : अजय डोंगरे

वर्धा.

बहुजन रयत परिषद ने महात्मा जोतिबा फुले की जीवित संघर्षों पर आधारित फिल्म को जल्द से जल्द प्रदर्शित करने की मांग करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिलाधिकारी के माध्यम से एक ग्यापन सौंपा।

इस ग्यापन को अजय डोंगरे (विदर्भ और जिलाध्यक्ष, बहुजन रयत परिषद), हिरा खडसे (महिला आघाड़ी), नारायण आमटे और अण्णाभाऊ साठे पुरस्कार की अध्यक्षता में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा गया।

ग्यापन में कहा गया कि महात्मा जोतिबा फुले का जीवन संघर्ष से भरा हुआ था, और यह फिल्म उनके जीवन पर आधारित है, जो समाज में उनके योगदान को उजागर करती है। फिल्म के प्रदर्शित न होने को लेकर परिषद ने सवाल उठाया कि आखिर ऐसा क्या था, जो सेंसर बोर्ड ने अनुमति दी, लेकिन राज्य सरकार इसे प्रदर्शित करने में अड़ंगा डाल रही है। परिषद ने यह भी कहा कि जोतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के संघर्षों पर आधारित यह फिल्म आज के युवाओं के लिए नवचेतना और दिशा-निर्देश का स्रोत बनेगी। अगर सरकार ने इस फिल्म के प्रदर्शन के लिए आदेश नहीं दिया, तो बहुजन रयत परिषद सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

ग्यापन सौंपने के दौरान भैय्या मुंगले (शहर अध्यक्ष), मनोहर डोंगरे (वर्धा तालुका अध्यक्ष), विनोद आमटे (देवली तहसील अध्यक्ष), शरला डोंगरे (महिला आघाड़ी, देवली तहसील अध्यक्ष), सुनील पोटफोडे और किशोर मुंगले सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

22 अप्रैल को जनसुरक्षा विधेयक के खिलाफ धरना प्रदर्शन, 23 संगठन होंगे शामिल

वर्धा.

किसान अधिकार अभियान कार्यालय वर्धा में विशेष जन सुरक्षा अधिनियम 2024 विरोधी आंदोलन समिति वर्धा जिला की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आंदोलन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई और निर्णय लिया गया।

बैठक में यह तय किया गया कि मंगळवार 22 अप्रैल 2025 को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक वर्धा जिलाधिकारी कार्यालय के सामने महात्मा गांधी पुतले के पास जन सुरक्षा विधेयक के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस आंदोलन में वर्धा जिले के 23 नागरिक संगठन और राजनीतिक पार्टियाँ शामिल होने के लिए सहमत हो चुकी हैं। यह आंदोलन विशेष जन सुरक्षा अधिनियम विरोधी आंदोलन समिति वर्धा जिला द्वारा आयोजित किया जाएगा।

आंदोलन में भाग लेने वाले सभी संगठन सरकार के खिलाफ विरोध जताने के लिए काली छत्री साथ में लाएंगे। साथ ही, जनता को जागरूक करने के लिए 5000 पत्रक वितरित किए जाएंगे। धरना आंदोलन का समापन राज्य सरकार को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन देकर किया जाएगा। इस आंदोलन में होने वाले खर्च के लिए प्रत्येक संगठन प्रमुख से 1000 रुपये का योगदान देने की अपील की गई है।

इस आंदोलन में भारत जोड़ो अभियान, भारतीय लोकशाही अभियान, किसान अधिकार अभियान, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार), आम आदमी पार्टी, शिवसेना, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया, संभाजी ब्रिगेड, भीम आर्मी, अखिल भारत आदिवासी विकास परिषद, मुस्लिम सोशल फोरम, ओबीसी जनजागृति संगठन, अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति, महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति, आधार संगठन, एआईएमआईएम, सत्यशोधक समाज, संयुक्त कामगार कृती समिति, युवा सोशल फोरम, राष्ट्रवादी किसान सभा, आयटक, सीटीयू सहित कई प्रमुख संगठन शामिल होंगे।

बैठक में किसान अधिकार अभियान के अध्यक्ष सुदाम पवार, भारतीय लोकशाही अभियान के संयोजक अतुल शर्मा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष सुनील राऊत, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य उपाध्यक्ष यशवंत झाड़े, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मनोज चांदुरकर, आम आदमी पार्टी के मंगेश शेंडे, सत्यशोधक समाज के प्रा. जनार्दन देवतले, संयुक्त कामगार कृती समिति के अक्रम पठान और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित थे।

यह जानकारी अविनाश काकडे ने दी, जो जनसुरक्षा विधेयक विरोधी आंदोलन समिति के सदस्य हैं।

729 वरिष्ठ नागरिकों को गौरव भारत विशेष ट्रेन से अयोध्या रवाना किया गया

वर्धा.

पूर्व सांसद रामदास तडस ने दिखाई हरी झंडी, मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत यात्रा

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत 729 पात्र वरिष्ठ नागरिकों सहित कर्मचारियों और स्वास्थ्य टीम को 18 अप्रैल को वर्धा रेलवे स्टेशन से गौरव भारत विशेष रेल्वे द्वारा अयोध्या के लिए रवाना किया गया। इस विशेष रेल्वे का उद्घाटन पूर्व सांसद रामदास तडस ने फीत काटकर किया, उसके बाद रेल्वे को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए भेजा गया। इस मौके पर समाज कल्याण सहायक आयुक्त किशोर भोयर और सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों को भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों का दर्शन कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों का मुफ्त दर्शन कराना है। इस योजना के तहत अयोध्या यात्रा के लिए 800 पात्र लाभार्थियों का चयन किया गया था, जिनमें से 729 लाभार्थी 18 अप्रैल को वर्धा से रवाना हुए।

इस यात्रा के साथ 46 सामाजिक न्याय विभाग के कर्मचारी, 9 चिकित्सा अधिकारी, और कुल 55 सदस्यीय टीम भी लाभार्थियों के साथ रवाना हुई है। यह यात्रा 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलेगी। राज्य भर से कुल 21 जिलों के लगभग 17,000 लाभार्थियों ने इस योजना का लाभ लिया है। यह अयोध्या यात्रा के लिए 22वीं फेरी है।

यात्रा के दौरान नाश्ता, चाय, भोजन, पानी, आवास की व्यवस्था, और अयोध्या रेलवे स्टेशन से आवास तक की यात्रा की जिम्मेदारी आयआरसीटीसी द्वारा सुनिश्चित की गई है।

एनसीसी छात्रों ने 'बी' प्रमाणपत्र परीक्षा में दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

> महाविद्यालय का नाम किया रोशन

देवली.

21 महाराष्ट्र एनसीसी बटालियन के तहत स्थानीय एस. एस. एन. जे. महाविद्यालय के 12 छात्रसैनिकों ने दो वर्षीय 'बी' प्रमाणपत्र परीक्षा में प्रावीण्य प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। इस परीक्षा में महाविद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इसमें 10 छात्र सैनिक 'अ' श्रेणी में तथा 2 छात्र सैनिक 'ब' श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। एनसीसी अधिकारी कॅप्टन मोहन गुजरकर ने इन प्रावीण्य प्राप्त छात्र सैनिकों को गुलदस्ता और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रावीण्य प्राप्त छात्र सैनिकों में सार्जंट सौरभ साव, सार्जंट मयुरी पेटकर, सार्जंट रितेश बुटे, सुजल पराते, निशांत शितले, पायल चौके, अनुश्री खंडरे, कल्याणी लिखार, समीक्षा नेवारे, कोमल चितले, सत्येश्वरी सावरकर और नयन तुमसरे शामिल हैं।

तीर्थ वानखड़े हत्याकांड के बाद पुलिस एक्टिव

शहर के अपराधियों की सूची की तैयार; आयुक्त के सामने होगी परेड

अमरावती.

अमरावती में हाल ही में हुई तीर्थ वानखडे हत्याकांड के बाद पुलिस प्रशासन ने अपराधियों पर नकेल कसने की दिशा में ठोस कदम उठाना शुरू कर दिया है। प्रत्येक पुलिस थाने से कुख्यात गुंडों की सूची तैयार की जा रही है, जिन्हें 22 अप्रैल से पुलिस आयुक्त डॉ. नवीनचंद्र रेड्डी के सामने पेश किया जाएगा।

अमरावती के रवीनगर परिसर में दो दिन पूर्व तीर्थ वानखडे की गुटबाजी के चलते हत्या कर दी गई थी। इस घटना के खिलाफ तीर्थ के समर्थकों ने राजापेठ पुलिस थाने और पुलिस आयुक्त कार्यालय में मोर्चा निकाला था। इससे पहले भी मसानगंज इलाके में एक युवक की हत्या और शहर में कई लूट की घटनाएं हुई हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। इन घटनाओं के मद्देनजर पुलिस आयुक्त रेड्डी ने क्राइम ब्रांच के तीन विशेष दल गठित किए हैं और सभी थानों को आपराधिक प्रवृत्ती के लोगों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। 22 अप्रैल से वसंत हॉल में इन अपराधियों की पेशी होगी, जहां पुलिस आयुक्त उनके खिलाफ दर्ज मामलों, उनकी वर्तमान गतिविधियों और आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच करेंगे।

चलती कार में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

अमरावती.

अमरावती में चलती एक कार में अचानक आग लग गई। पल भर में कार आग की लपटों में घिर गई। लेकिन चालक ने तुरंत कार रोक दी जिससे बड़ा हादसा टल गया।

पतरवाड़ा निवासी राहुल बोथे अपनी इंडिका कार से अमरावती में एक डॉक्टर के पास जा रहे थे. तभी डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर चौक से वो फ्लाईओवर पर चढ़े। तभी वाहन के इंजन से धुआं निकलता दिखा और उससे कार रोक दी, लेकिन अचानक से कार में आग लग गई और जल्द ही पूरी कार आग की लपटों में घिर गई। जिससे कार के अंदर बैठे राहुल और उसके बुजुर्ग पिता को बाहर निकलने में दिक्कत हुई।

इस सड़क पर आने-जाने वाले वाहन चालकों की भीड़ लगी हुई थी। उनमें से कुछ लोगों ने बड़ी हिम्मत से पिता और पुत्र को कार से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। तबतक दमकल विभाग की गाड़ी भी तुरंत मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया। इस दौरान फ्लाईओवर पर यातायात बाधित रहा।

रामदास तडस ने ममता सरकार की बर्खास्तगी की मांग की

वर्धा.

पश्चिम बंगाल में वक्फ विधेयक के विरोध में किए गए आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया है, जिससे पूरे देश में अफरातफरी का माहौल बन गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने इस विधेयक पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्य में यह कानून लागू नहीं किया जाएगा। इस पर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

कुछ दिन पहले मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में हुए आंदोलन में हिंसा बढ़ी, जिसमें कई हिंदू नागरिकों की जान गई और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़े। ममता सरकार पर यह आरोप लगाया गया है कि वह इस हिंसा को रोकने में असफल रही।

इस संबंध में वर्धा लोकसभा के पूर्व सांसद रामदास तडस ने ममता सरकार की तत्काल बरखास्तगी की मांग की। रामदास तडस के नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और भारतीय जनता पार्टी

ने छत्रपती शिवाजी महाराज चौक में एक विशाल निषेध आंदोलन और बाइक रैली आयोजित की। इस रैली के माध्यम से पूरे शहर में जनजागृति फैलाते हुए, उन्होंने केंद्र सरकार से पश्चिम बंगाल की सरकार को बरखास्त करने और प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करने की मांग की। पूर्व सांसद रामदास तडस ने कहा कि ममता बैनर्जी की सरकार बांग्लादेश के रोहिंग्या मुसलमानों और विस्थापित मुसलमानों की मदद से हिंदू नागरिकों पर अत्याचार कर रही है, और यही बंगाल का पुराना इतिहास है। उन्होंने ममता सरकार पर देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने का आरोप भी लगाया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

इस निषेध मोर्चे का आयोजन विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अटल पांडे द्वारा किया गया था। मोर्चे में दीपक चुटे, गणेश ऑस्ट्रेकर, किरण उपाध्याय, अनिल कावड़े, संजय बढ़गेलवाल, शैलेश देहाद्राय, आकाश राजुरकर, मनोज मुरारका, अरविंद कोकाटे, अश्विन साहू, योगेश साहू, हरीश गांधी, धर्मेंद्र मुंदड़ा, निलेश मुंजे, महेश राउत, वंदना चाफले, अनुराधा महाकालकर सहित बीजेपी के अन्य कार्यकर्ता भी शामिल थे।

भीषण गर्मी से खेती पर बड़ा असर

संतरा के बाग़ को हो रहा काफी नुकसान

अमरावती.

अप्रैल के महीने में ही भीषण गर्मी की वजह से खेती और बागवानी पर असर हो रहा है। अमरावती जिले में भीषण गर्मी की वजह से संतरा के बाग़ को काफी नुकसान हो रहा है।

किसानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर, महंगे कीटनाशकों और रासायनिक खादों पर लाखों रुपए खर्च कर संतरा के बगीचे में अच्छे फल के लिए कोई कसार नहीं छोड़ा। हालाँकि, पिछले महीने तापमान में तेजी वृद्धि हुई है। इस गर्म मौसम का संतरे के बागों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संतरा और अंगूर उत्पादक किसान इस गर्मी से मुश्किल में हैं, क्योंकि काफी खर्च कर तैयार किए गए उनके बगीचों में लगे फल उनकी आंखों के सामने झड़ने लगे हैं। संतरे और अन्य फल बागों में हीटस्ट्रोक का खतरा है और विशेषज्ञ संभावना जता रहे हैं कि इस गर्मी के कारण संतरे के उत्पादन में भारी गिरावट आएगी। फरवरी के महीनों में जो फल पेड़ लगे थे, वे बढ़ते तापमान के कारण पेड़ से गिर रहे हैं। वरुड तालुका में 26,000 हेक्टेयर क्षेत्र में इसकी खेती की जाती है। बढ़ते तापमान से संतरा उत्पादक किसानों की अर्थव्यवस्था को खतरा पैदा हो रहा है, और किसान इस बात को लेकर चिंतित हैं कि खिलता हुआ अंबिया बहार पेड़ों पर रहेगा या नहीं। और फल बच भी गए तो क्या उन्हें बाजार में कीमत मिलेगी।

चिखली में शॉर्टसर्किट से लगी आग में गौशाला जलकर राख

किसान को 3 लाख रुपए का नुकसान

चिखली.

गांव से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में बनी गौशाला में शनिवार दोपहर शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई। इस हादसे में किसान प्रशांत पांडुरंग बाहुरे को लगभग 3 लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है।

घटना शनिवार, 19 अप्रैल को दोपहर करीब 1 बजे की है। किसान की गौशाला में अचानक आग लग गई, जिसकी जानकारी मिलते ही गांव के ग्रामीण और खुद किसान मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आग बुझाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेज थी कि कुछ ही समय में पूरी गौशाला जलकर राख हो गई।

इस आगजनी की घटना में गौशाला में रखे 200 पीवीसी पाइप, 20 स्प्रिंकलर, कृषि उपकरण और बड़ी मात्रा में पशु चारा जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

नुकसान का पंचनामा दें

घटना को लेकर सरपंच संघ के विधानसभा अध्यक्ष किशोर नवल ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नुकसान का पंचनामा कराकर किसान को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

घटना की जानकारी तुरंत विद्युत वितरण कंपनी और गिरड़ पुलिस थाने को दी गई है। बताया जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में खेती का सीजन शुरू होने वाला है, ऐसे में इस नुकसान से किसान गंभीर आर्थिक संकट में आ गया है।

ग्राहक सेवा केंद्र से 60 सेकंड में 2 लाख 72 हजार रुपये चोरी

हिंगनघाट.

भारतीय स्टेट बैंक के पास स्थित ग्राहक सेवा केंद्र से अज्ञात चोरों ने महज 60 सेकंड में 2 लाख 72 हजार रुपये की चोरी कर ली। ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक अल्ताब हुसैन आमिर अली अजानी ने 19 अप्रैल को हिंगनघाट पुलिस स्टेशन में इस घटना की शिकायत दर्ज कराई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अल्ताब हुसैन ने अपने केंद्र के दैनिक लेन-देन के लिए स्टेट बैंक से 2 लाख रुपये निकाले और एक बैग में पहले से रखे 72 हजार रुपये को भी अपनी कुर्सी पर रख दिया।

जैसे ही वह अपनी कार से कुछ सामान लेने के लिए मुड़े, उनका पैसों से भरा बैग गायब हो गया। हैरान-परेशान होकर उन्होंने पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें चार अज्ञात लोग दिखाई दिए। इनमें से दो ने ग्राहक सेवा केंद्र में प्रवेश किया, बैग चुराया और मोटरसाइकिल पर फरार हो गए।

अल्ताब हुसैन ने घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद हिंगनघाट पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेघरों और कच्चे घरों में रहने वाले परिवारों को मिलेंगे उनके अधिकार वाले घर

अकोला.

यह सुनिश्चित करने के लिए कि अकोला जिले में कोई भी परिवार अपने उचित आवास से वंचित न रहे, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनीता मेश्राम इस पर कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण आवास के लिए पात्र परिवारों का सर्वेक्षण शुरू हो गया है। इस सर्वेक्षण के बाद बेघर और कच्चे घरों में रहने वाले परिवारों को उनके हक का घर मिल सकेगा। यह जानकारी ग्रामीण विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक मनोज जाधव ने दी। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 2018 में आवास प्लस सर्वेक्षण किया गया था। इस सर्वेक्षण में तैयार की गई प्रतीक्षा सूची में शामिल न होने वाले तथा सिस्टम के माध्यम से अपात्र, किन्तु अन्यथा पात्र परिवारों का ग्रामीण चरण-2 सर्वेक्षण 25 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। आवास प्लस 2024 सर्वे में आवासहीन, कच्चे मकान में रहने वाले परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस सर्वे 2018 में तैयार की गई प्रतीक्षा सूची में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण चरण 2 के तहत नए पात्र परिवारों का सर्वेक्षण किया जाएगा। इस संबंध में ग्राम पंचायत अधिकारी, गट विकास अधिकारी तथा जिला ग्रामीण विकास विभाग के परियोजना निदेशक से संपर्क करने का सुझाव दिया गया है।

आवेश खान ने आखिरी ओवर में 9 रन किए डिफेंड

लखनऊ ने रोमांचक मुकाबले में राजस्थान को 2 रनों से हराया

जयपुर.

यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार बल्लेबाजी के बावजूद राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स के हार मिली। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला राजस्थान के सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। राजस्थान की इस सीजन में 8 मैचों में से 5वीं हार है। मुकाबले में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 5 विकेट के नुकसान पर 180 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने पारी अंतिम गेंद 178 रन ही बना सकी। राजस्थान के लिए इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने उतरे ओपनर बल्लेबाज और वैभव सूर्यवंशी ने टीम को धमाकेदार शुरुआत दिलाई।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में संदीप शर्मा की जगह इंपैक्ट सब के रूप में खेलने का मौका मिला था। वैभव ने अपनी पारी की पहली गेंद पर सिक्स के साथ शुरुआत की थी। हालांकि वह 20 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हो गए। अपनी इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 2 चौके भी लगाए। इसके साथ ही वैभव आईपीएल में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बने। लखनऊ सुपर जायंट्स ने रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स

को 2 रनों से हरा दिया. आवेश खान का आखिरी ओवर गेम चेंजिंग साबित हुआ. आवेश ने इस ओवर में सिर्फ 6 रन दिए और 1 विकेट भी लिया. राजस्थान के लिए यशस्वी जयसवाल ने कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने 52 गेंदों में 74 रन बनाए. यशस्वी ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए. रियान पराग ने 39 रनों की पारी खेली. वैभव सूर्यवंशी ने 34 रनों का योगदान दिया. उन्होंने डेब्यू मैच खेला.

लखनऊ के लिए आवेश खान ने 3 विकेट झटके. शार्दुल ठाकुर और एडिन मार्करम ने 1-1 विकेट लिया. लखनऊ ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान के साथ 180 रन बनाए. उसके लिए आयुष बडोनी ने 50 रनों की विस्फोटक पारी खेली. वहीं एडिन मार्करम ने भी 66 रन बनाए. अंत में अब्दुल समद ने कमाल दिखाया. उन्होंने 10 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए. राजस्थान के लिए वानिंदु हसंरगा ने 2 विकेट लिए. जोफ्रा आर्चर, संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने 1-1 विकेट लिया. लखनऊ की बल्लेबाजी रही बेअसर, राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इस मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स की बल्लबाजी कुछ खास नहीं रही। लखनऊ की तरफ से सिर्फ एडेन मार्करम (66) और आयुष बदौनी (50) को छोड़ और कोई भी खिलाड़ी अपना कमाल नहीं दिखा सके। इस तरह लखनऊ की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन ही बना सकी। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लखनऊ 19 ओवर में पांच विकेट पर 153 रन बनाकर निराशाजनक स्थिति में था लेकिन अब्दुल समद ने आखिरी ओवर में चार छक्कों सहित 27 रन बटोरे और टीम को 180 रन तक पहुंचा दिया। लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी लेकिन तीन विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी में उन्होंने बदौनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किया।

फिर बदोनी और मार्करम के बीच चौथे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद मार्करम का विकेट गिरने से लखनऊ की पारी की रफ्तार धीमी पड़ी लेकिन अंतिम ओवर में अब्दुल समद ने पासा पलट दिया और मोमेंटम लखनऊ की तरफ ले गए। मार्करम ने 45 गेंदों पर 66 रन में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। बदौनी ने 34 गेंदों पर 50 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। समद ने 10 गेंदों पर नाबाद 30 रन में चार छक्के उड़ाए। निकोलस पूरन इस बार मात्र 11 रन बनाकर आउट हुए जिससे लखनऊ की रन गति कुछ धीमी पड़ गयी। राजस्थान की तरफ से जोफ्रा आर्चर, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे और वानिन्दु हसरंगा ने एक-एक विकेट लिए।

यशस्वी ने लिए लगाई फिफ्टी

☐ वैभव सूर्यवंशी के अलावा इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के लिए कमाल की बल्लेबाजी की। पारी का आगाज करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने 52 गेंद में 74 रनों की धमाकेदार पारी खेली। अपनी इस पारी में 5 चौके और 4 छक्के भी लगाए। यशस्वी जायसवाल के आउट होने होने के बाद राजस्थान की टीम छोड़ी लड़खड़ा गई, लेकिन अंतिम ओवर में ध्रुव जुरेल और शिमरन हेटमायर ने मिलकर मैच को फिनिश किया।

सौसर वन क्षेत्र में तेंदुए का आतंक

> किसान के खेत से बछड़े का किया शिकार

सौसर. सौसर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम ससा फरोनी में तेंदुए ने एक बार फिर मवेशी पर हमला किये जाने की घटना सामने आई है। बुधवार रात को तेंदुए ने किसान मोरेश्वर दांडवे के खेत में बने कोठे से गाय के बछड़े का शिकार कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वन विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर शिकार के आस-पास से तेंदुए के पगमार्क एकत्र किये और इलाके में उसकी मूवमेंट की जानकारी जुटाई। वन विभाग ने पंचनामा बनाकर मुआवजा प्रकरण तैयार कर लिया है। जल्द ही पीड़ित किसान को नियमानुसार क्षतिपूर्ति दी जाएगी। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में वन्य प्राणी, विशेष रूप से तेंदुए का मूवमेंट लगातार बना हुआ है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। किसानों का कहना है कि इससे पहले भी पिछले माह एक अन्य किसान के खेत से बछड़े का शिकार किया गया था। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और तेंदुए को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सीआरपीएफ स्थापना दिवस पर अमित शाह का नक्सलवाद पर सख्त संदेश

नीमच.

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने सीआरपीएफ की 86वीं स्थापना दिवस परेड में बतौर मुख्य अतिथि अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए 2,264 सुरक्षा कर्मियों के बलिदान को श्रद्धांजलि दी और यह स्पष्ट किया कि 'सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन को आता देख दुर्दात नक्सलियों की भी रूह कांप जाती है।' कोबरा बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ के अन्य जवानों ने नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह बयान न केवल एक सैन्य उपलब्धि को रेखांकित करता है, बल्कि देशवासियों को यह भरोसा भी दिलाता है कि भारत की सुरक्षा चट्टान

जैसी मजबूत है। एक समय था, जब पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक के जंगलों में लाल आतंक फैला हुआ था। नक्सली ताकतें भारत के बड़े भूभाग को अस्थिर करने की कोशिश में लगी थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सटीक रणनीति की बदौलत करिश्माई तरीके से आज यह लाल आतंक चार जिलों तक सिमट चुका है। नक्सलवाद को नासूर मानने वाले शाह ने सख्त रणनीति और सीआरपीएफ के ही दम पर ही यह भविष्यवाणी की है कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा।

बीते कुछ वर्षों में पूरी दुनिया ने यह देखा है कि मोदी-शाह की जोड़ी ने देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा को एक नया आयाम दिया है। एक ओर सख्ती से आतंक का दमन, तो दूसरी ओर विकास से जनजीवन में स्थायित्व, यह संतुलन ही असली नेतृत्व की पहचान है। अमित शाह की रणनीति हमेशा से स्पष्ट रही है, सुरक्षा के मोर्चे पर जीरो टॉलरेंस और नागरिकों के लिए विकास का रास्ता खोलना। आज भारत नक्सलवाद के उस दौर को पीछे छोड़ चुका है जब डर ही शासन करता था। अब शासन का आधार है विकास, लोकतंत्र और सुरक्षा। देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए सीआरपीएफ के जवानों ने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसे भारतवासी कभी भूल नहीं सकते। वास्तव में, जिन इलाकों में कभी पुलिस तक जाने से डरती थी, आज वहा स्कूल, अस्पताल और सड़कें बन रही हैं। यह 'नए भारत' की तस्वीर है। स्वच्छ भारत, हर घर तिरंगा, एक भारत श्रेष्ठ भारत, स्वच्छता ही सेवा, एक पेड़ माँ के नाम जैसे कई अभियानों को सीआरपीएफ ने बहुत अच्छे तरीके से ज़मीन पर उतार कर यह सिद्ध किया है कि देश और समाज के लिए सीआरपीएफ हमेशा सजग है।

कोबरा बटालियन देख कांप उठते हैं नक्सली: शाह

हितग्राहियों ने ली राहत की सांस

मोहगांव हवेली में शुरू हुई पट्टा वितरण की प्रक्रिया

सौसर. नगरीय निकाय मोहगांव हवेली में शुक्रवार से धारनाधिकारी पट्टा बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस कार्य के लिए राजस्व विभाग की टीम नगर पहुंच चुकी है और अब वार्डों में जाकर पात्र हितग्राहियों की जांच की जा रही है। विभाग द्वारा पट्टा प्रक्रिया की शुरुआत होते ही नगरवासियों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से पट्टा नहीं होने के कारण कई हितग्राही शासन की योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे थे। अब पट्टा मिलने की उम्मीद से उनमें उत्साह देखा जा रहा है।

राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से पात्रता की जांच की जाएगी और आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद पट्टे जारी किए जाएंगे। नगर में पट्टा वितरण प्रक्रिया को लेकर शुक्रवार को राजस्व विभाग ने बड़ी पहल की। दोपहर के समय

नायब तहसीलदार के नेतृत्व में विभागीय अमला घर-घर पहुंचा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पट्टा प्राप्त करने के लिए लगाये गए आवेदनों की जांच शुरू की। टीम ने हितग्राहियों के दस्तावेजों और पात्रता की विस्तृत जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद पात्र हितग्राहियों को पट्टे जारी किये जाएंगे। इससे उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं, विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने का रास्ता साफ होगा। गौरतलब है कि नगर में सैकड़ों रहवासी ऐसे हैं जो वर्षों से बिना पट्टे के रह रहे हैं और इस कारण वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे थे।

शुभांक		
श्रीदेवी	245-1	278-7
श्रीदेवी नाईट	335-1	290-1

कांग्रेस ने आंबेडकर जयंती में झांकियों को किया सम्मानित

कामठी.

डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की 134 वीं जयंती हर वर्ष की भांति इस बार भी शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को शुभारंभ नया गोदाम से प्रारंभ होकर विभिन्न स्थानों से होती हुई शोभायात्रा का समापन किया गया। शोभायात्रा में शामिल झाकियों में समाज सुधारक एवं जाग्रत करने के संदेश दिए गए। शोभायात्रा मार्ग पर झाकियों को सम्मानित करने के लिए भी मंच लगाए गए। वहीं जयस्तंभ चौक - हुतात्मा स्मारक के सामने कांग्रेस की ओर से हर वर्ष की भांति इस बार भी ज़िला परिषद पूर्व अध्यक्ष सुरेश भोयर की अध्यक्षता एवं सांसद श्यामकुमार बर्वे की प्रमुख उपस्थिति में झांकियों पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफलतार्श नगर परिषद पूर्व सभापति निरज लोणारे, भदंत डॉ.बुद्धरत्न संबोधी महाथेरो, सेवादल के प्रदेश सचिव राजकुमार गेडम, इरशाद शेख, येरखेड़ा ग्राम पंचायत पूर्व सरपंच सरिता रंगारी, कृष्ण यादव, धीरज यादव, संजय मेश्राम, खान मैडम, आनंद खोबरागाड़े, नरेंद्र शर्मा, कुसुम खोब्रागडे, तुषार दावानी, अभय गेडाम, आशीष मेश्राम, आकाश भोकरे, उमेश गजभिये, सचिन मेश्राम, तौसीफ़ फैजी, इश्मत नागानी, निकिता मेश्राम, आदि पदाधिकारी व सदस्यों ने शोभायात्रा का स्वागत किया।

सौसर में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

> विधायक विजय चौरे ने रखी आधारशिला

सौसर. नगर के वार्ड क्रमांक 13 स्थित शिक्षक कॉलोनी में शुक्रवार को एक नई सौगात दी गई, जब विधायक विजय रेवनाथ चौरे के हस्ते सामुदायिक भवन के निर्माण की आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना से हुई, जिसके पश्चात विधायक चौरे ने भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह सामुदायिक भवन विधायक निधि से 5 लाख रुपये और शिक्षक सहकारी समिति से 10 लाख रुपये के सहयोग से निर्मित किया जाएगा। कुल 15 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस भवन से कॉलोनीवासियों को सामुदायिक आयोजनों के लिए एक सुसज्जित स्थल प्राप्त होगा। इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक विजय चौरे ने

कहा, शिक्षक कॉलोनी सहित कई अन्य कॉलोनियों में नागरिकों को बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में शिक्षक सहकारी समिति द्वारा विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये की सहायता देना अत्यंत सराहनीय कदम है। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष सुरेखा इंदरचंद्र डागा, पार्षद एड. रविशंकर धुर्वे, तुकाराम भक्ते, गोपाल कामोने, पूर्व नप उपाध्यक्ष सुनील भांनगे, अमरीश जायसवाल, ज्ञानेश्वर चौरे, राजा कलसकर, सिद्धीकी, निलकंठ उईके, भास्कर धमदर सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल के लिए विधायक और समिति के प्रति आभार व्यक्त किया और भवन के शीघ्र निर्माण की उम्मीद जताई।